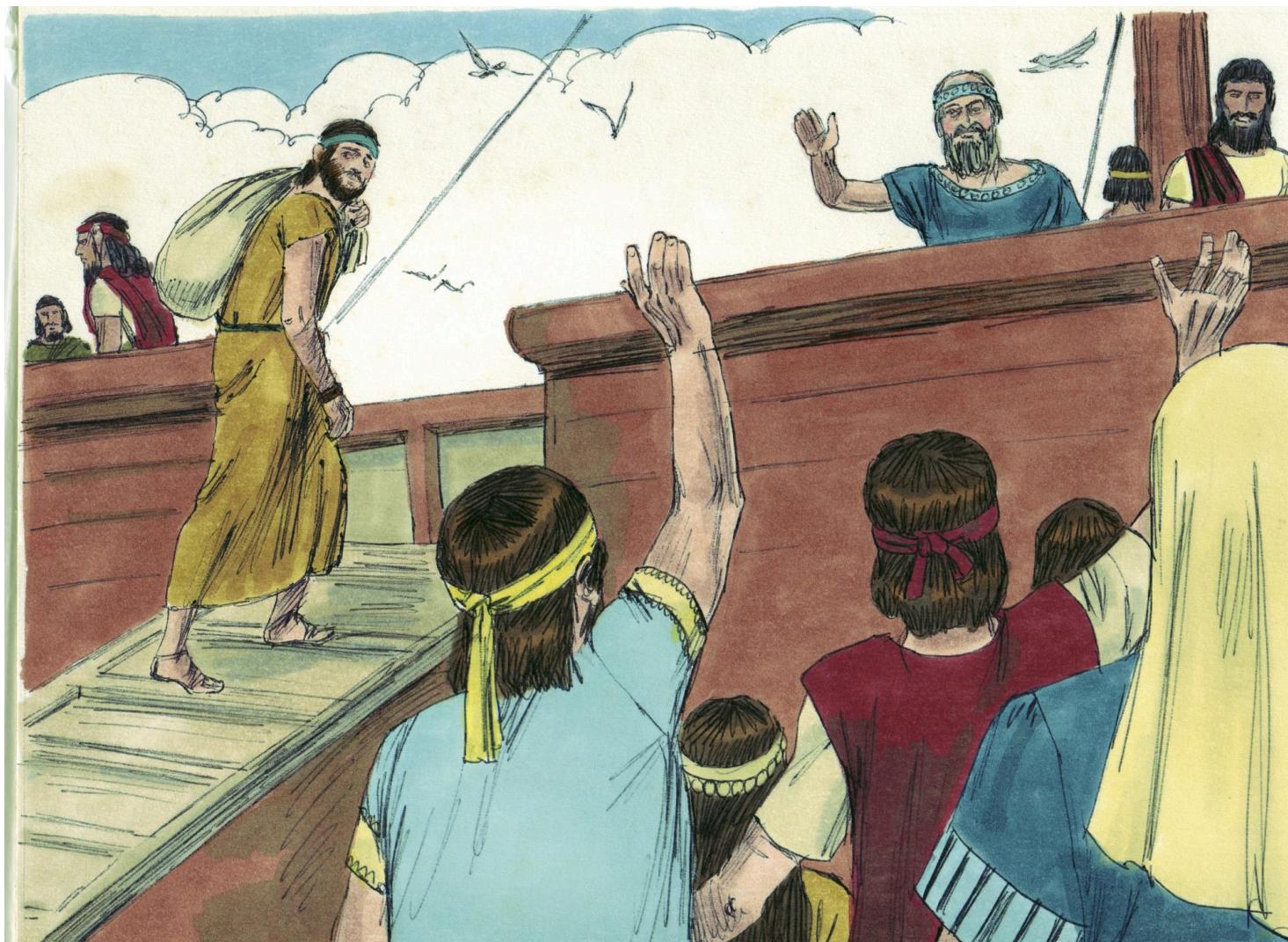


# परमेश्वर रौद्रास योना





# परमेश्वर रौ दास योना

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



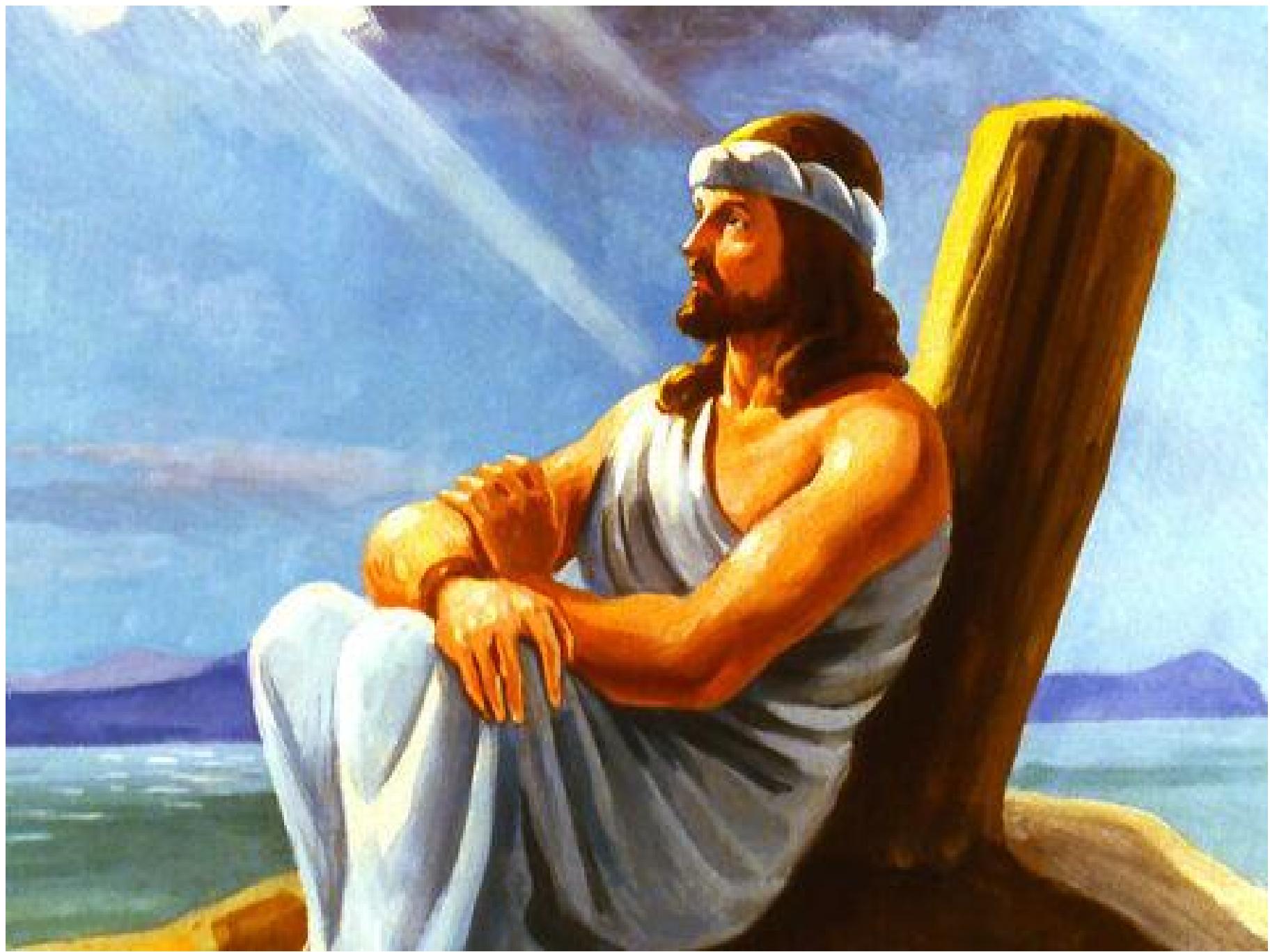
For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language  
Orange Level Book

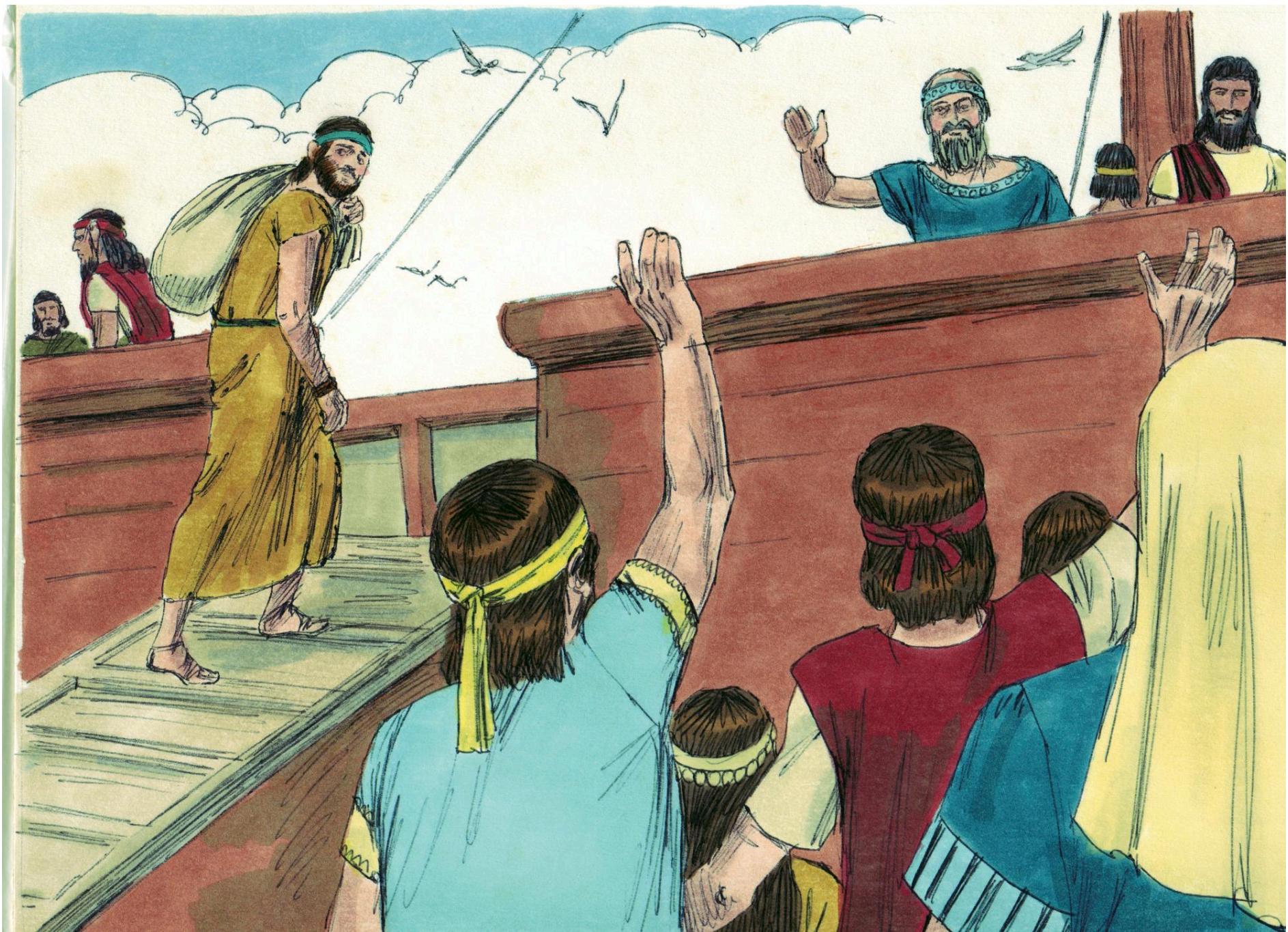
प्रकाशण:-  
NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर का दास योना के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



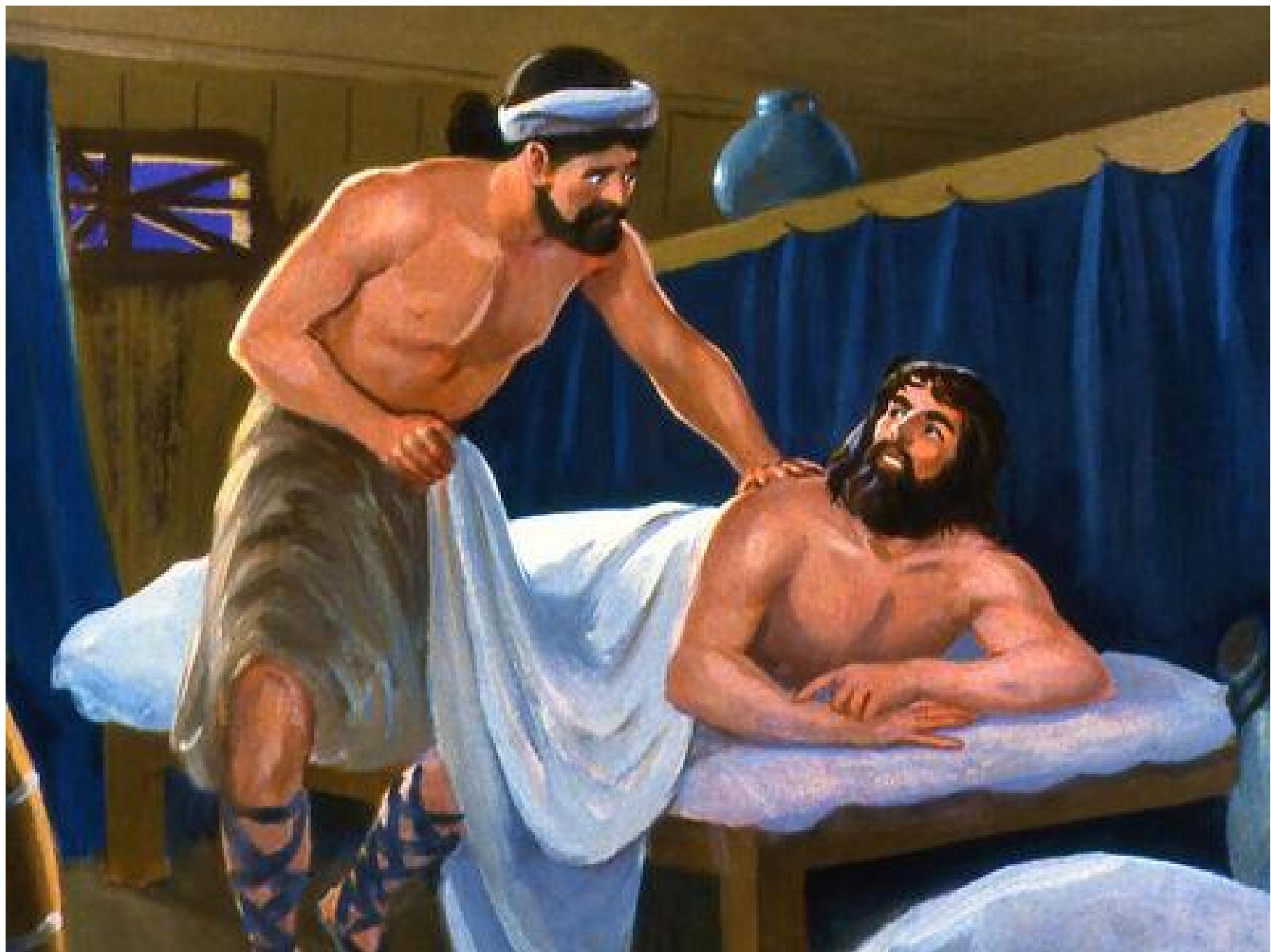
एज़ी कांडणी परमेश्वर रौ दास योना री, जूण  
अमिते रौ बेटा थौ सेउ एक बाखी थौ, योना  
परमेश्वर रौ बचन लोगु काई बी पौइंच्हा थौ। एक  
बैरे परमेश्वरेइ योना आरी बोलौ, कि असीरिया  
री राज़दानी नीनवे रै लोग मेरै देखणे दी बौरी पाप  
रौये कौरदै लागी, एज़ी बौज़ै कौइ तेत्कै रै लोगु  
री बुराई मेरी नज़र दि बौरी बौड़ी गोइ।



ਏਝੀ ਬੌਜ਼ੀ ਕੌਇ ਤੂ ਨੀਨਵੇ ਸ਼ੈਰ ਖੀ ਡੇਊ, ਔਜ਼ਿ  
ਤਿਤੁੱਰੈ ਖਿਲਾਫ ਪੌਰਚਾਰ ਕੌਰ, ਪਰ ਯੋਨਾ ਨੀਨਵੇ ਖੀ  
ਨਾ ਡੈਅ। ਪਰ ਸੇਤ ਧਾਫਾ ਸ਼ੈਰ ਕੌਇ ਤਰੀਸ਼ ਡੇਣੈ  
ਵਾਲ਼ੈ ਜਾਜ਼ ਦੀ ਡੈਅ, ਕੇਲਾਕਿ ਸੇਤ ਨੀਨਵੇ ਖੀ  
ਨਾ ਡੇਣੈ ਚਾਂਏ ਥੈ, ਏਝੀ ਬੌਜ਼ੀ ਕੌਇ ਸੇਤ ਪਰਮੇਖਰ  
ਰੈ ਸਾਮਣੈ ਕੌਇ ਸਮੁੰਦ੍ਰ ਰੈ ਜਾਜ਼ ਕੌਇ ਤਰੀਸ਼ ਖੀ  
ਡੇ-ਨਦੈ ਲਾਗੈ।



ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਵ ਸਮੁੱਦ ਦੀ ਖੌਰੀ ਬਾਗੁਰ ਕੌਆਈ,  
ਏਤੀ ਕੌਆਈ ਕਿ ਨਾਤੁ ਚੁਟਣੈ ਵਾਕੀ ਥੀ ਤੈਬੈ ਜਾੜ  
ਰੈ ਸਾਰੈ ਲੋਗ ਡੌਰਿਧੈ ਆਪਡੈ-ਆਪਡੈ ਦੇਕਤਾ ਖੀ  
ਔਟਾਇਨਵੈ ਲਾਗੈ, ਔਜ਼ਿ ਜੁਣਜ਼ੈ ਜਾੜ ਦੀ ਸੌਮਾਨ  
ਥੈ, ਤੇਸ ਬਾਰੈ ਫਿਰਕਾਨਵੈ ਲਾਗੈ, ਤਾਕਿ ਜਾੜ  
ਔਲ਼ਖੀ ਔਧੈ ਲੀ।



ਸੇਜ਼ੌ ਬੌਕਤੇ ਦਿ ਧੋਨਾ ਜਾੜ ਦਿ ਤੌਲੀ ਪੈਂਸ਼ੈ ਡੇਝਿਯੈ  
ਮਿਠੀ ਨੀਜ਼ ਦੀ ਸੁਤੌਨਦੌ ਥੈ। ਤਬੈ ਜਾੜ ਚੌਕਾਣੈ  
ਕਾਲੈ ਤੇਸਕਾਈ ਡੈਅ, ਆਜ਼ਿ ਤੇਸਾਰੀ ਬੋਲਾਂ, ਕਿ ਤੂ  
ਏਤਕੈ ਮੀਠੀ ਨੀਜ ਦੀ ਸੁਤੌਨਦੌ, ਬਿਊ ਜੁ ਆਪਡੈ  
ਦੇਵਤਾ ਖੀ ਔਟਾਇਅ, ਏਸ਼ੈ ਤੰਈ ਸੈਕੈ ਕਿ ਤੇਰੈ  
ਦੇਵਤਾ ਤੇਰੀ ਪ੍ਰਾਥਨਾ ਸ਼ੁਣਿਧੈ ਆਸੁ ਬੌਚਾ ਲੈ।



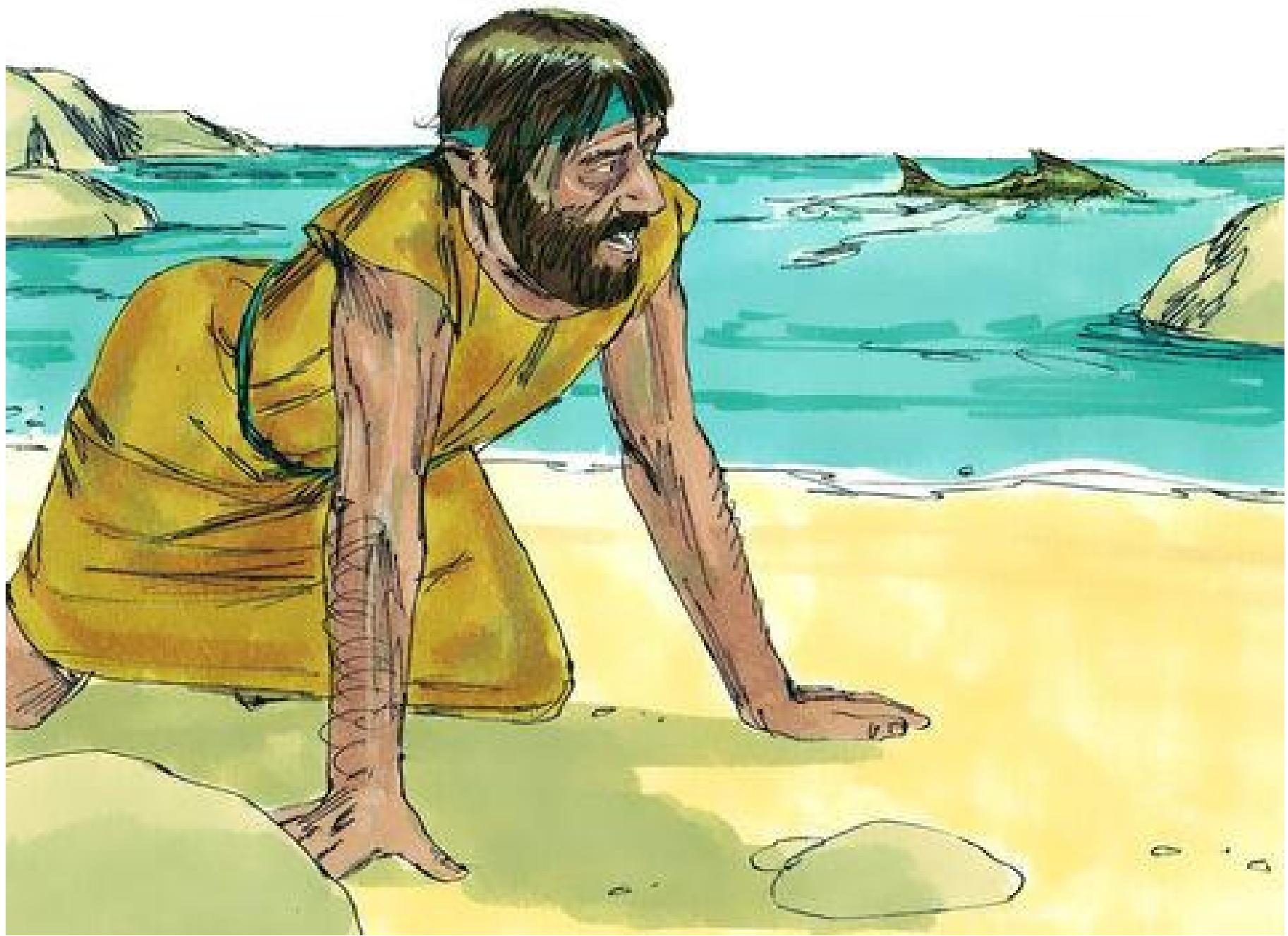
तैबै तिउँ एशौ ज्ञानणेखी कि ऐ मुसिबत आमु माईं  
केज़ी बौजै कौइ आई तेसखी तिउँ आपस माईं  
चिट्ठी पाई, सै चिट्ठी योना रै नौऊँ दि आई, तैबै  
तिउँ योना आरी बोलौ, कि ऐ मुसिबत आमु माईं  
केलाई आई, तू कुण?



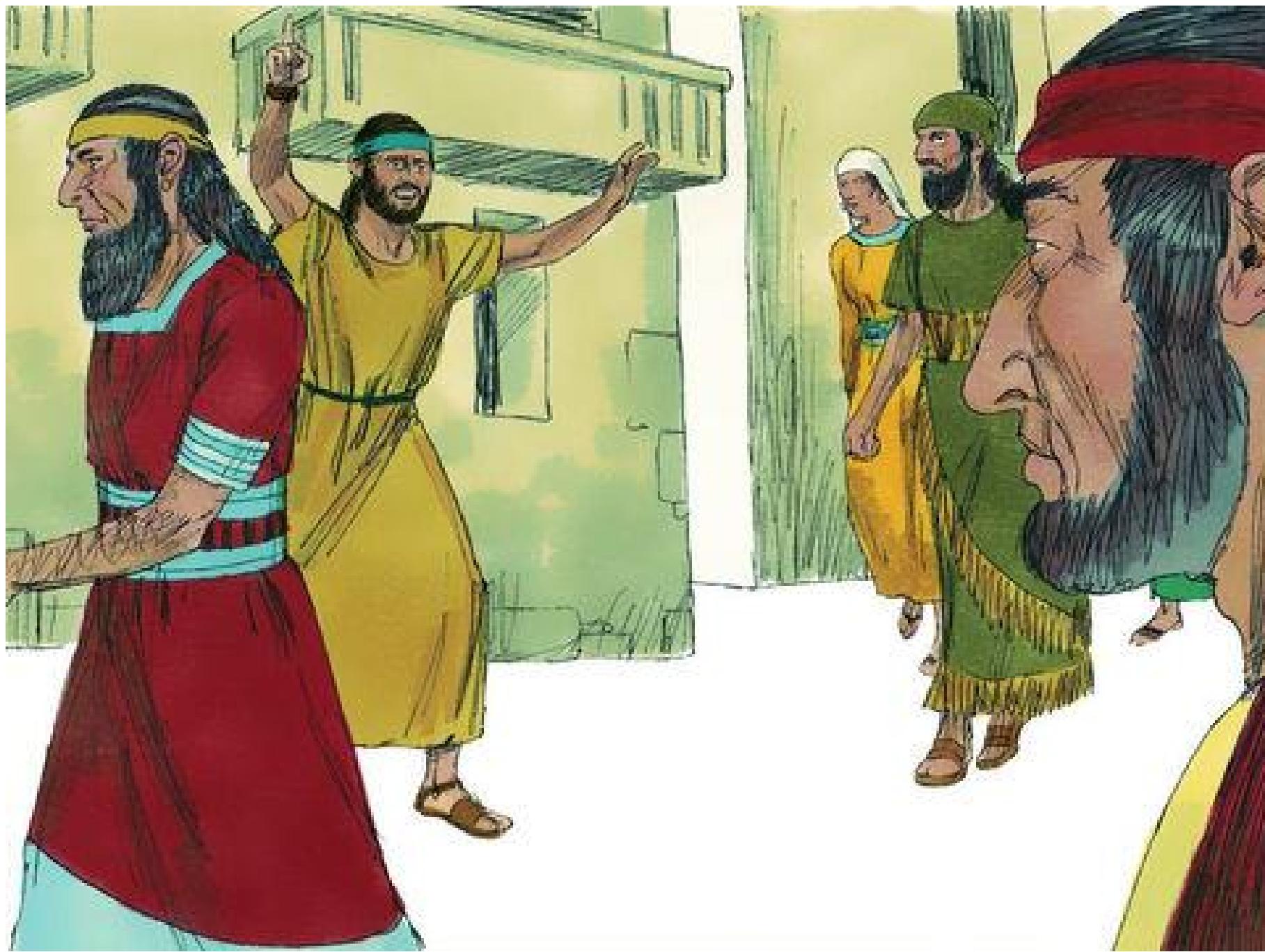
तैबै योनाइ बोलौ, कि “आऊँ, स्वर्ग रौ परमेश्वर  
यहोवा रौ दास जिणी समुँद्र औज़ि दौरती चाणी,  
आऊँ तेसरै सामणै कौइ बागियौ आओन्दौ, एज़ी  
बौज़ै कौइ ऐ मुसिबत आईयौन्दि।” एशौ शुणियौ  
सै बौरी डौरी मौरै, औज़ि बोल्दै लागै कि ताई  
एशौ केलाइ कियौ।



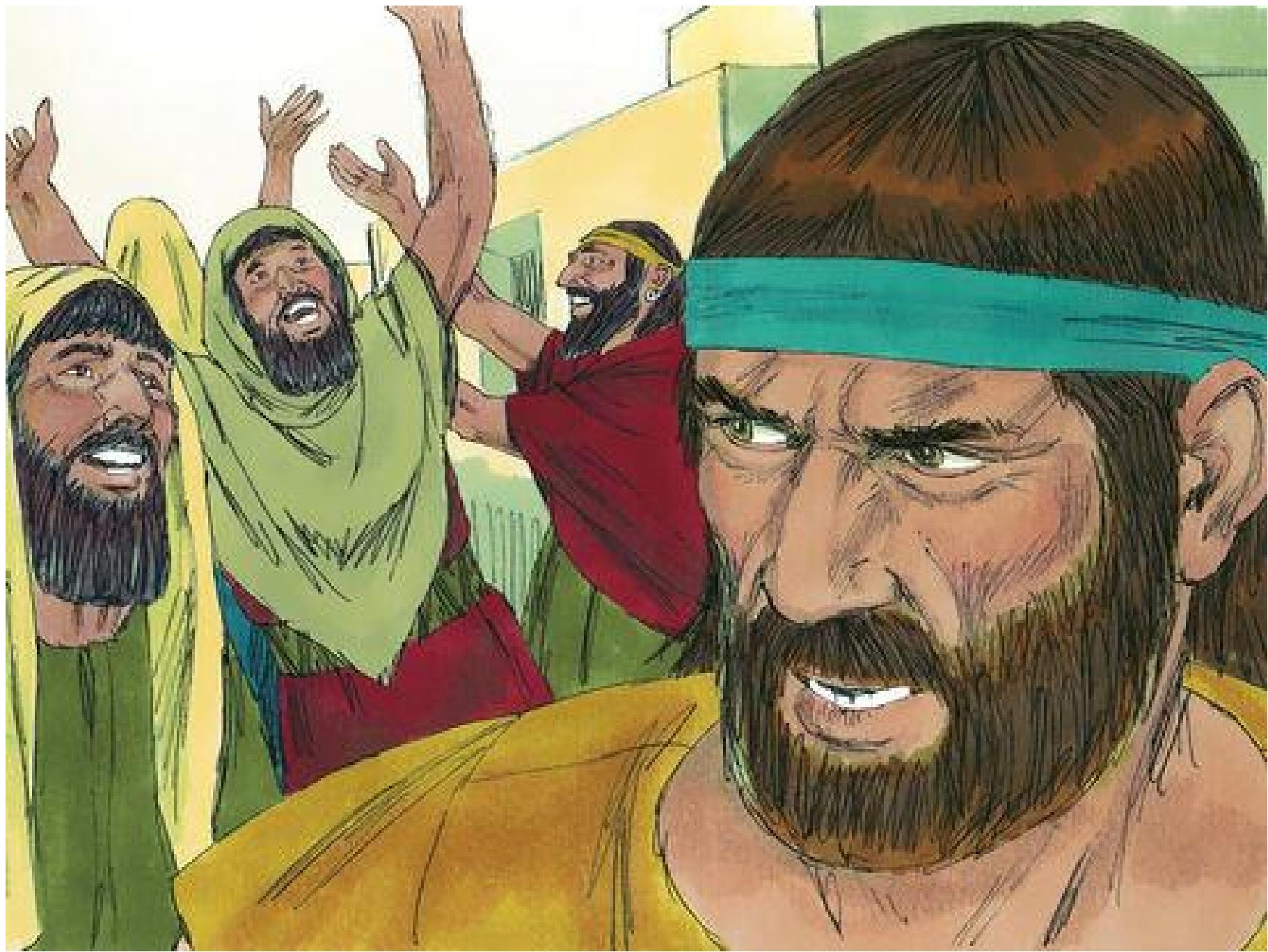
तैबै तिउँ योना कौइ पुछौ कि ऐबै आमै तेरै साथै  
का कौरी जेसकौइ ऐ मुसिबत पोरु रुकै ली, तैबै  
योनाइ बोलौ, मूँ समुँद्र दी फिरकाई दैअ। तैबै  
समुँद्र शान्त औयै लौ। केलाकि आऊँ जाणू कि ऐ  
मुसिबत मेरी बौज़ै कौइ आईयौन्दि। तैबै तिउँ  
परमेश्वर कौइ प्राथना की औज़ि योना समुँद्र दी  
फिरकाई देणौ, तै समुँद्र शान्त उवौ।



ਤੈਥੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਝ ਸਮੁੱਦ੍ਰ ਦੀ ਏਕ ਬੜੀ ਮਹਾਮਚਛ  
ਛਾਡੌ, ਤਿਣੀ ਯੋਨਾ ਬਾਦਿਆ ਗੁਟੌ, ਯੋਨਾ ਤੇਸ  
ਮਹਾਮਚਛ ਰੈ ਪੇਟੇ ਦੀ ਚੀਨ ਫੂਸ ਆਂਜ਼ਿ ਚੀਨ ਰਾਤ  
ਜਾਉਂ ਰਾਂ। ਤੈਥੈ ਯੋਨਾਇ ਤੇਸਰੈ ਪੇਟੈ ਪੋਰੁ ਕੌਇ  
ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਕੌਇ ਪ੍ਰਾਥਨਾ ਕੀ। ਤੈਥੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਝ  
ਮਹਾਮਚਛ ਕੈ ਆਦੇਸ਼ ਦੇਣੌ। ਤੈ ਤਿਣੀ ਯੋਨਾ ਸ਼ੁਕੀ  
ਜਾਗਾ ਦੀ ਮਾਟੈ ਮਾਝਾਂ ਬਾਰੈ ਗਾਡੌ।



ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਇ ਧੋਨਾ ਆਰੀ ਔਜ਼ਿਪੈ ਕੋਲੈ,  
ਬਿਊਜ਼ਿਧੈ ਨੀਨਵੇ ਸ਼ੈਰ ਖੀ ਡੇਊ, ਔਜ਼ਿ ਜੁਣਜ਼ੀ ਕੁਝੈ  
ਮੁੰਈ ਤਾਊਂਵਾਰੀ ਕੋਲੀ ਤਿਊਂ ਤੇਤਕੈ ਡੇਇਧੈ ਤੇਤਕੈਰੈ  
ਲੋਗੁ ਆਰੀ ਕੋਲ, ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਰੀ ਕੋਲਣੇ ਰੀ  
ਕੌਜ਼ੈ ਕੌਇ ਸੇਤ ਕੌਡੈ ਸ਼ੈਰ ਨੀਨਵੇ ਖੀ ਡੈਅ। ਸੇਤ  
ਨੀਨਵੇ ਦੀ ਪੌਰਚਾਰ ਕੌਰਦੈ ਲਾਗੈ, ਈਕੀ ਕੌਇ  
ਚਾਕੀਸ਼ ਦੂਸ ਬਾਸਿਧੈ ਨੀਨਵੇ ਰੈ ਨਾਸ਼ ਤਵੈ ਲੈ।



तैबै नीनवे रै लोगु परमेश्वर रै बचन दि बिश्वाश  
कियौ, तैबै सारिउँ टाट लपेटियौ उपवास रै साथै  
पश्चाताप कियौ, औज़ि राज़ाइ बी एशौइ कियौ।  
राज़ाइ एक आदेश देणौ कि सारे लोग आपड़े बुरै  
कामु छोड़ी दैअ, औज़ि परमेश्वर कौइ प्राथना  
कौरौ, उई सौकै कि परमेश्वर आपड़ी इच्छा  
पोरु बौदले लौ औज़ि आम्कै सौज़ा ना दैलौ।



जौ परमेश्वरेइ देखौ कि लोगु बुरै काम कौरणौ  
छोड़ी गोअ, तैबै परमेश्वरेइ आपडौ ज़ीऊ पोरु  
बौदलौ, औज़ि जेशौ तिणी नीनवे ख्वी नाश  
कौरणेख्वी सुँच्हौ-न्दौ थौ, तेशौ ना कियौ। एज़ी  
बुशै योना कै बौडिया ना लागी। परमेश्वरेइ  
नीनवे रौ नाश ना कियौ, एज़ी बौजै कौइ योनाइ  
रोश लागौ।



तैबै योनाइ परमेश्वर आरी बोलौ कि आऊँ जाणु  
थौ, कि तू एशौ ना कौरदौ, तू ईऊँ पापी लोगु  
माफ कौरै थौ, एज़ी बौज़ै कौइ आऊँ तर्शीश खी  
रौ थौ डेन्दै लागी, केलाकि आऊँ जाणु कि तू  
अनुग्रह (कृपा) कौरणे वाळौ, औज़ि दयालू,  
औज़ि आराम कौइ रोश कौरणे वाळौ  
करुणानिदान परमेश्वर, औज़ि तू दुख देणने कौइ  
खुश ना उन्दौ।



तैबै परमेश्वरेइ योना आरी बोलौ, का एज़ै शैर रै  
लोगु जाँगणौ ठीकै? जेसदी एक लाख बीश  
अज़ार कौइ ज़ादा लोग रौयैण, औज़ि बौरी गौरेलु  
ज़ानबर बी रौयैण, ऐ लोग तै एशौ बी ना ज़ाणदै  
कि ऐ गलत काम रौयै कौरदै लागी, तै का आऊँ  
ईऊँ दि तरस ना खाऊ लै।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.

Legacy